





August 2024

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संगठन)





डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने महानिदेशक, मैनेज के रुप में पदभार ग्रहण किया

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 24 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) के महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया।

वह तेलंगाना कैडर की वर्ष 2003 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, और उन्होंने जम्मू और कश्मीर राज्य में यूएनडीपी की उम्मीद और हिमायत परियोजनाओं के लिए भी काम किया है। मैनेज परिवार, मैनेज के नए महानिदेशक के रूप में डॉ. योगिता राणा, आईएएस का हार्दिक स्वागत करता है और उन्हें शुभकामनाएँ देता है।

परिचयात्मक बैठक

डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और महानिदेशक ने दिनांक 27 अगस्त, 2024 को मैनेज संकाय, कर्मचारियों, कन्सल्टेंट और साथियों के साथ बातचीत की। बातचीत के दौरान, उन्होंने मैनेज के साथ अपनी यादें और सभी कर्मचारियों से अपेक्षाएं साझा कीं। उन्होंने सभी को सामूहिक रूप से काम करने और संगठन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। महानिदेशक ने कहा कि हम सब मिलकर संस्थान मानकों को ऊंचा उठा सकते हैं और इससे भी ऊंचे लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।



इस अंक में

• डॉ. योगिता राणा, आईएएस ने महानिदेशक, मैनेज के रुप में पदभार ग्रहण किया	1
• मैनेज ने ७८वां स्वतंत्रता दिवस मनाया	3 & 4
• आरकेवीवाई-रफ़्तार का 11वां बैच	5
 अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम: विस्तार पेशेवरों के लिए जलवायु लचीला कृषि - भारतीय अनुभव 	6
• सफलता की कहानियों के लिए राईटशॉप	6
• जम्मू और कश्मीर के एफपीओं के क्षमता निर्माण पर अभिविन्यास कार्यशाला	7
• कार्यशालाः अगरतला (त्रिपुरा) में नारियल मूल्य शृंखला	7
• मैनेज के पूर्व महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा की विदाई	8 & 9
• मैनेज में एक पेड़ माँ के नाम (प्लांट फॉर मदर) अभियान	10
• डीजी-मैनेज का सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक	11



मैनेज ने 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया



श्भकामनाएं दीं।





मैनेज ने दिनांक 15 अगस्त, 2024 को भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज ने ध्वजारोहण किया और मैनेज परिवार के सदस्यों और छात्रों को हार्दिक

अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के बिलदान और अपार योगदान को रेखांकित किया जिन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता को सुरक्षित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश

डाला कि सच्ची स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ आती है - सभी के साथ निष्पक्ष व्यवहार करें और देश की प्रगति के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता केवल एक नारा हीं नहीं, यह हमारे देश का सच्चा सार है।

वर्ष 1987 में अपनी स्थापना से लेकर अब तक मैनेज की यात्रा पर विचार करते हुए, डॉ. सरवणन राज ने सभी से भारत को एक विकसित राष्ट्र और कृषि में वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने का आहवान किया, उन्होंने महात्मा गांधी को उद्धृत किया: "भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम वर्तमान में क्या करते हैं।"

> इस ऊर्जावान सुबह में, पीजीडीएम-एबीएम के विद्यार्थियों ने देशभक्ति की थीम पर नृत्य और गीत प्रस्तुत किए, जिससे जीवंत और उत्साहपूर्ण माहौल बन गया।

डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज ने पीजीडीएम-एबीएम छात्रों को मेरिट पुरस्कार भी प्रदान किए। इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में मैनेज के सभी संकाय सदस्य, कंसलटेंट, मैनेज फेलो और सभी कर्मचारी मौजूद थै।



78वें स्वतंत्रता दिवस की झलकियां























आरकेवीवाई-रफ़्तार का 11वां बैच





कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से मैनेज ने दिनांक 19-23 अगस्त, 2024 तक आरकेवीवाई-रफ्तार कार्यक्रम के 11वें समूह के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में देश भर से कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में एग्री-यूरेका कार्यक्रम, छात्र अभिविन्यास कार्यक्रम (एसओपी) और स्टार्टअप

एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन प्रोग्राम (एसएआईपी) के प्रतिभागी शामिल थे। यह पहल कृषि



NAGE ri-Eur. 20



उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप के लिए यह एक उपयुक्त समय है, क्योंकि भारत सरकार स्टार्टअप के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बना रही है।

इस कार्यक्रम का उददेश्य स्टार्टअप्स के लिए व्यवसाय प्रबंधन

रणनीतियों को बेहतर बनाना था, जिसमें पिच डेक, आईपी अधिकार और कानूनी संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित

नवाचारियों को बढ़ावा देने के लिए अनुदान सहायता, प्रशिक्षण और एक महीने का व्यापक मार्गदर्शन कार्यक्रम प्रदान करती है।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज ने कृषि विकास के बारे में मैनेज के प्रयासों का विस्तृत विवरण साझा किया और प्रतिभागियों को चुनौतियों के बावजूद अपने विचारों पर कायम रहने के लिए प्रोत्साहित किया। किया गया। इन प्रतिभागियों ने लाइटनिंग पिच, टीम इंटरैक्शन, नेटवर्किंग और आरकेवीवाई फंडिंग की खोज जैसी गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने अपने अनुभव को और समृद्ध करने के लिए टी-हब, एनआईआरडीपीआर और आईआईएमआर जैसे प्रमुख नवाचार केंद्रों का भी दौरा किया।

समापन कार्यक्रम में, डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज ने मैनेज एग्री यूरेका 2024 के विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए।



आईटीईसी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमः विस्तार पेशेवरों के लिए जलवायु

अनुकूल कृषि - भारतीय अनुभव





मैनेज ने दिनांक 28 अगस्त से 10 सितंबर, 2024 तक "विस्तार पेशेवरों के लिए जलवायु लचीला कृषि- भारतीय अनुभव" पर दो सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय आईटीईसी (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में अल्जीरिया, इरीट्रिया, इथियोपिया, गुयाना, केन्या, लाओस, मॉरीशस, मंगोलिया, दक्षिण सूडान, श्रीलंका, युगांडा और जिम्बाब्वे सहित 12 देशों के कुल 20 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

यह कार्यक्रम संचार और प्रबंधन कौशल, कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और जलवायु लचीलेपन के लिए रणनीतियों पर केंद्रित है। इसमें अगली पीढ़ी की जलवायु सेवाएं, चरम घटनाओं के पूर्वानुमान में आईएमडी की भूमिका और अन्कूलन और शमन में भारतीय अन्भव शामिल हैं।

इन विषयों में जलवायु-प्रतिरोधी कृषि पद्धतियाँ, कार्बन खेती, कृषि-मौसम संबंधी हस्तक्षेप, सटीक कृषि के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ और जलवायु अनुकूलन में पशुधन की भूमिका शामिल हैं। ये प्रतिभागी अपने अनुभव को समृद्ध करने के लिए सीआरआईडीए, आईसीआरआईएसएटी, एनआईपीएचएम और मैनेज परिसर जैसे प्रमुख संस्थानों का दौरा करेंगे। इस कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागी वापस काम पर जाने की योजनाएँ तैयार करेंगे। डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक (एसए और सीसीए) मैनेज कार्यक्रम का निर्देशन कर रहे हैं।

सफलता की कहानियों की राईटशॉप









मैनेज ने दिनांक 27 से 30 अगस्त, 2024 को 4 दिवसीय "सफलता की कहानियों की लेखनशाला" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग, पशुपालन के वरिष्ठ अधिकारियों और केवीके के वैज्ञानिकों सहित कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राइटशॉप प्रक्रिया दस्तावेज़ीकरण के महत्व, कृषि में डिजिटल सामग्री बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है, और व्यावहारिक अभ्यास और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से सफलता की कहानियाँ लिखने और वीडियो उत्पादन पर कौशल प्रदान करता है। इसमें हैदराबाद में सैनी खेतिहर, कलगुरा गम्पा, कृषि उद्यमी और डेयरी किसान जैसे सफल उद्यमियों के क्षेत्र के दौरे शामिल हैं। इस कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के दौरान अपने दौरे पर एक रिपोर्ट तैयार की।

- डॉ. श्रीनिवासचार्युल् अतलूरी, उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन) और
- डॉ. वहीदा म्नावर, प्रोग्राम एसोसिएट ने कार्यक्रम का आयोजन किया।

आरिएन्टेशन कार्यशाला : जम्मू और कश्मीर के एफपीओ का क्षमता निर्माण





मैनेज ने दिनांक 29 से 30 अगस्त, 2024 को दो दिवसीय "जम्मू और कश्मीर के एफपीओ के क्षमता निर्माण पर अभिविन्यास कार्यशाला" का आयोजन किया। इसमें देश भर के कृषि व्यवसाय विशेषज्ञों, एफपीओ विशेषज्ञों, जिला कृषि अधिकारियों सिहत उन्नीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला में एफपीओ, एफपीओ की व्यावहारिक चुनौतियों, दिशा-निर्देशों और एचएडीपी और जेकेसीआईपी कार्यक्रमों के तहत एफपीओ को अपनाने की प्रक्रिया के बारे में चर्चा की गई। इस अवसर पर कृषि विभाग जम्मू-कश्मीर के निदेशक श्री मोहम्मद इकबाल और कृषि निदेशक डॉ. अरविंदर सिंह रीन भी उपस्थित थे। डॉ. अरविंदर सिंह रीन, निदेशक (कृषि) जम्मू-कश्मीर ने जम्मू-कश्मीर के एचएडीपी और जेकेसीआईपी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में कृषि परिदृश्य को बदलने के लिए ये कार्यक्रम कैसे आवश्यक हैं। कृषि विभाग जम्मू-कश्मीर के निदेशक श्री मोहम्मद इकबाल ने फसलों और सब्जियों के उत्पादन के मामले में जम्मू-कश्मीर की कृषि की विशिष्टता पर प्रकाश डाला और बताया कि एफपीओ इसका लाभ कैसे उठा सकते हैं।

डॉ. के सी गुम्मागोलमठ, निदेशक (एम एंड ई) ने कार्यशाला का निर्देशन किया तथा डॉ. पी कनक दुर्गा, सहायक निदेशक, मैनेज ने कार्यशाला का समन्वय किया।

कार्यशाला: अगरतला (त्रिपुरा) में नारियल मूल्य शृंखला



डॉ. एम. श्रीकांत, निदेशक (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) और नारियल विकास बोर्ड (सीडीबी) परियोजना के प्रधान समन्वयक - सहकर्मी समीक्षा समिति और डॉ. बी. वेंकट राव, सहायक निदेशक, मैनेज और परियोजना के सदस्य ने लाभार्थियों / लाइन विभाग के अधिकारियों और सीडीबी के अन्य हितधारकों से प्राथमिक डेटा एकत्र करने के लिए दिनांक 31 जुलाई से 03 अगस्त, 2024 के दौरान अगरतला (त्रिपुरा) में स्थित सीडीबी कार्यालय और फार्म का दौरा किया।

इस यात्रा के एक भाग के रूप में, दिनांक 02 अगस्त, 2024 को सी.डी.बी. के सहयोग से "नारियल की मूल्य शृंखला" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में बागवानी एवं मृदा संरक्षण विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों सहित कुल 20 किसानों और 10 अधिकारियों ने भाग लिया।



डॉ. एम. श्रीकांत ने समीक्षा के उद्देश्य पर व्याख्यान दिया। उन्होंने त्रिपुरा में किसान उत्पादक कंपनियों के गठन की आवश्यकता पर बात की और नारियल और उसके उत्पादों की एकीकृत मूल्य श्रृंखला के लाओं पर प्रकाश डाला।

उप निदेशक श्री राजीब घोष ने डॉ. एम. श्रीकांत की बात का स्थानीय भाषा में अनुवाद किया। सी.डी.बी. के उप निदेशक श्री प्रमोद कुरियन के नेतृत्व में तकनीकी सत्र नारियल उत्पादन बढ़ाने, कीट नियंत्रण और रोग प्रबंधन पर केंद्रित था। किसानों को सी.डी.बी. योजनाओं, उत्पादन तकनीकों, मूल्य संवर्धन और विपणन के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यशाला में बागवानी विभाग के अधिकारियों द्वारा समर्थित प्रतिभागियों से प्राथमिक डेटा संग्रह भी शामिल था।

मैनेज के पूर्व महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा की विदाई





दिनांक 9 अगस्त, 2024 को डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज को भावभीनी विदाई दी गई, उन्होंने मैनेज में अपनी 25 साल की सेवा के समापन के बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए एकीकृत ग्रामीण विकास केंद्र (सीआईआरडीएपी), ढाका, बांग्लादेश के महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाला, जो 15 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक अंतर-सरकारी संगठन है। वे तीन दशक से अधिक समय के बाद सी.आई.आर.डी.ए.पी. के महानिदेशक के प्रतिष्ठित पद को संभालने वाले दूसरे भारतीय हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा भारत में एक प्रतिष्ठित कृषि विस्तार पेशेवर रहे हैं, जिन्होंने विभिन्न पदों पर 3 दशकों से अधिक समय तक इस क्षेत्र में योगदान दिया है। उन्होंने भारतीय कॉफी बोर्ड में कार्य किया, राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद का नेतृत्व किया, और सीसीएस राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (सीसीएस एनआईएएम), जयपुर और मैनेज, हैदराबाद में महानिदेशक के रूप में कार्य किया।

उन्होंने कृषि-उद्यमिता, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, कृषि पर्यटन, कृषि पत्रकारिता का समर्थन किया और कृषि विस्तार को मजबूत करने के लिए सेवा, एफपीओ अकादमी, जय जवान किसान, कृषि पत्रकार नेटवर्क, कृषि फिल्म महोत्सव, सर्वश्रेष्ठ कृषि उद्यमियों को पुरस्कार, पुस्तकें और कृषि स्टार्टअप आदि जैसे कई नवीन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने एसीएंडएबीसी, देसी, एसटीआरवाई, आरकेवीवाई-रफ्तार जैसी राष्ट्रीय योजनाओं और पीजीडीएम (एबीएम), सीएफए/सीएलए, सीसीआईएनएम जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का नेतृत्व किया है और प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना कोष, विस्तार और मधुमक्खी पालन/हनीबी जैसे मिशनों का समर्थन किया है। उन्होंने यूएसएआईडी द्वारा समर्थित यूएस-इंडिया-अफ्रीका त्रिकोणीय कार्यक्रमों और फीड द फ्यूचर इंडिया इंटरनेशनल कार्यक्रमों के माध्यम से 25 से अधिक देशों के 1273 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय अधिकारियों को प्रशिक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अत्यधिक सराहनीय है।





मैनेज के पूर्व महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रा शेखरा की विदाई





विदाई समारोह के दौरान मैनेज के संकाय और स्टाफ सदस्यों ने डॉ. पी. चन्द्रा शेखरा के साथ अपने अनुभव साझा किए।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा ने सहयोग के लिए मैनेज में सभी का आभार व्यक्त किया और मैनेज में अपने 25 वर्षों के सफल सफर में सभी के साथ अपने ज्ड़ाव को याद किया। उन्होंने मैनेज के पूर्व महानिदेशकों और भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भी उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

मैनेज परिवार ने उन्हें सीआईआरडीएपी के महानिदेशक के रूप में उनके नए कार्यभार के लिए श्भकामनाएं दिया।





मैनेज में एक पेड़ माँ के नाम (प्लांट फार मदर) अभियान







पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के राष्ट्रीय प्रयास के तहत क्रमशः दिनांक 21 और 29 अगस्त, 2024 को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान चलाया जाएगा।

डॉ. सरवनन राज, महानिदेशक, मैनेज (प्रभारी) ने अभियान का नेतृत्व किया और पौधारोपण किया। इन दो वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से पूरे परिसर में बेर, आम, जामुन, आम और नीम सहित कुल 125 पौधे लगाए गए।

इन प्रजातियों को उनके पर्यावरणीय लाओं के लिए सावधानीपूर्वक चुना जाता है, जिसमें छाया, फल और वायु शोधन शामिल हैं, जो क्षेत्र की समग्र जैव विविधता और पारिस्थितिक स्वास्थ्य में योगदान करते हैं। इस अवसर पर डॉ. सरवणन राज, महानिदेशक (प्रभारी), मैनेज ने इस बात पर जोर दिया कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2024) पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पहल "एक पेड़ माँ के नाम" केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह मार्च 2025 तक जारी रहेगा। उन्होंने सभी से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने और उसका पालन-पोषण करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में मैनेज के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने सिक्रय रूप से भाग लिया।

दूसरे पौधरोपण अभियान में पीजीडीएम (एबीएम) वर्ष 2024-26 बैच के पर्यावरण क्लब ने प्रशिक्षण कार्यक्रम-राइट शॉप फॉर सक्सेस स्टोरीज के प्रतिभागियों के साथ मिलकर पूरे परिसर में बेर और आम के पौधे लगाए।











महानिदेशक, मैनेज ने सीपीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की





डॉ. योगिता राणा, आईएएस, संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और महानिदेशक, मैनेज ने दिनांक 27 अगस्त, 2024 को मैनेज में नए बुनियादी ढांचे के विकास की समीक्षा के लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्युडी) के अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस बैठक के दौरान, सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने

महानिदेशक, मैनेज के समक्ष अपनी योजनाएं प्रस्त्त कीं।

इस बैठक में डॉ. सरवणन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) श्री जॉन मनोज, सहायक अभियंता एवं उनकी टीम, श्री एन.एम. राव, सहायक लेखा अधिकारी और श्री चौधरी भी उपस्थित थे।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है

डॉ. योगिता राणा, आईएएस

महानिदेशक, मैनेज एवं संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)

(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत संगठन) राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक

डॉ. सरवणन राज निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज

संपादक

डॉ. श्रीनिवासचार्युलु अतालूरी उप-निदेशक (ज्ञान प्रबंधन), मैनेज

हिन्दी अनुवाद

डॉ. के. श्रीवल्ली, सहा.निदेशक (रा.भा.), मैनेज सुश्री पुजा दास, वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज

एसोसिएट एडिटर्स

श्री कृष्णा दाभोलकर, आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज श्री नितेश कुमार अकादमिक एसोसिएट, मैनेज